कृषि वस्तु पर विनियोजन आ
कर के बाइबिल के सिद्धांत

पंचतंत्र के बा

अब फिरौन एगो समझदार आ बुद्धिमान आदमी के खोज के मिस्र के भूमि पर नियुक्त करस। फिरौन इहे करस आ उ देश पर अफसर नियुक्त करस आ सात भर साल में मिस्र के पांचवा हिस्सा ले लेव। आ उ लोग आवे वाला अच्छा साल के सब खाना बटोर के फिरौन के हाथ में धान जमा करस आ शहरन में खाना रखस। मिस्र के देश में सात साल के अकाल के बाद उ भोजन देश के भंडार में होई। कि अकाल से देश नाश ना होखे। उत्पत्ति 41:33-36 में दिहल गइल बा

उ सात साल के सब खाना जवन मिस्र के देश में रहे, ओकरा के बटोर के शहर में खाना जमा कईले। उत्पत्ति 41:48 में दिहल गइल बा

यूसुफ के कहला के मुताबिक सात साल के कमी आवे लागल अवुरी सभ देश में कमी हो गईल। लेकिन पूरा मिस्र देश में रोटी रहे। जब पूरा मिस्र के देश भूख से मर गइल त लोग फिरौन से रोटी खातिर पुकारलस आ फिरौन सब मिस्र के लोग से कहलस, "यूसुफ के लगे जा। जवन उ तोहरा से कहत बा, उ करऽ। उत्पत्ति 41:54-55 में दिहल गइल बा

यूसुफ अपना बाप आ भाई लोग आ अपना बाप के घर के पूरा घर के लोग के परिवार के हिसाब से रोटी से पोसले। पूरा देश में रोटी ना रहे। काहे कि अकाल बहुत जादे रहे, जवना से मिस्र आ पूरा कनान देश अकाल के चलते बेहोश हो गईल। यूसुफ मिस्र आ कनान के देश में जवन पईसा मिलल रहे, उ सब पईसा के बटोर लेले, जवन कि उ लोग खरीदले रहले। जब मिस्र आ कनान देश में पइसा के कमी हो गइल त सब मिस्र के लोग यूसुफ के लगे आके कहले, "हमनी के रोटी दे दऽ, काहे कि हमनी के तोहरा सोझा काहे मरब जा?" काहे कि पइसा खतम हो जाला. यूसुफ कहले, "अपना मवेशी के दे दऽ। आ पइसा के कमी त तोहरा के तोहरा मवेशी खातिर दे देब। ऊ लोग आपन मवेशी यूसुफ के लगे ले अइले आ यूसुफ ओह लोग के घोड़ा, भेड़, भेड़ आ गदहा के बदले में रोटी दिहलन आ ओह साल खातिर ओह लोग के सगरी मवेशी खातिर रोटी दे दिहलन. जब ऊ साल खतम भइल त ऊ लोग दूसरा साल उनकरा लगे आके कहलस कि हम अपना मालिक से ई बात ना छिपाईब कि हमनी के पइसा कइसे खरच हो गइल बा। हमरा मालिक के भी हमनी के मवेशी के झुंड बा। हमरा मालिक के नजर में हमनी के देह आ हमनी के जमीन के कुछुओ ना बाचल बा, हमनी के अवुरी हमनी के देश आपके आंख के सोझा काहे मरब? हमनी के आ हमनी के जमीन रोटी में खरीद के हमनी के आ हमनी के जमीन फिरौन के सेवक बन जाईं जा, आ हमनी के बीज दे दीं कि हमनी के जिंदा रहब जा आ ना मरब जा, ताकि देश उजाड़ ना होखे। यूसुफ मिस्र के पूरा देश फिरौन खातिर खरीद लिहले। काहे कि मिस्र के लोग हर केहू आपन खेत बेच दिहल, काहे कि अकाल ओह लोग पर हावी हो गइल रहे, एहसे ऊ देश फिरौन के हो गइल। रहल बात लोग के त उ मिस्र के सीमा के एक छोर से लेके दूसरा छोर तक शहर में ले गईले। खाली पुजारी लोग के जमीन उ ना खरीदले। काहे कि पुरोहित लोग के फिरौन के हिस्सा दिहल रहे आ ऊ लोग आपन हिस्सा खात रहे जवन फिरौन ओह लोग के दिहले रहले, एहसे ऊ लोग आपन जमीन ना बेचल। तब यूसुफ लोग से कहलन, "देखऽ, हम आज तोहनी के आ तोहार जमीन फिरौन खातिर खरीदले बानी। आउर बढ़ला के बाद पांचवा हिस्सा फिरौन के देब, आ चार भाग खेत के बीज खातिर, तोहनी के खाना खातिर, आ अपना घर के लोग खातिर आ अपना छोट बच्चा के खाना खातिर आपन हो जाई। उ लोग कहल कि, तू हमनी के जान बचा लेले बाड़ू, हमनी के हमरा

मालिक के नजर में कृपा होखे अवुरी हमनी के फिरौन के सेवक बन जाईब। यूसुफ आज ले मिस्र के देश पर नियम बनवले कि पांचवा हिस्सा फिरौन के मिले। सिवाय खाली याजकन के देश के जवन फिरौन के ना हो गईल। उत्पत्ति 47:12-26 में दिहल गइल बा

विश्लेषण:

पट्टा देवे वाला : फिरौन (सरकार / राजकुमार / राष्ट्रपति / राज्य)
पट्टाधारी : किसान लोग के

मंत्री / कृषि सचिव : जोसेफ जफ्नाथपानेह "बीज वाहक" के बारे में जानकारी दिहल गइल बा।

कृषि भूमि आवंटन : कुल भूमि क्षेत्रफल के कम से कम 20% खेती योग्य होखे के चाहीं

बजट आ मुनाफा के प्रबंधन: 1.1.
कर अउर दसवां हिस्सा : 20%
(फिरौन खातिर 10%; पुजारी लोग खातिर 10% - चर्च आ उनकर जमीन कर मुक्त बा।)
किसानों की शुद्ध वेतन : 80% के बा।
(खेत के बीज - बोवाई खातिर 40%; भोजन खातिर 40%)

हर शहर के आपन खाना के आपूर्ति करे में सक्षम होखे के चाहीं.

अधिकतम दक्षता खातिर लोग के खाद्य आपूर्ति के नजदीक रहे के चाही।

जवना अर्थव्यवस्था के समर्थन भोजन से ना होखे (सोना ना, चांदी ना, पईसा ना, क्रिप्टो ना वगैरह, बलुक भोजन से) ऊ आखिरकार गिर जाई. धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से।

अकाल में भी खाना के दाम होला आ ओकरा के खरीदे के जरूरत होला। ई कबो मुक्त ना होला।

चरम अकाल के समय पईसा फेल हो जाई। एकर विकल्प वस्तु विनिमय प्रणाली (मवेशी, घोड़ा, झुंड, गदहा, समय - रोजगार/सेवा) खातिर भोजन होई। NO WORK NO EAT के नीति लागू करीं (2 थिस्सलुनीकियों 3:10)।

जे खाद्य आपूर्ति पर नियंत्रण कर सकेला ऊ कानून बना सकेला आ जनता पर नियंत्रण कर सकेला.